Bharat Temples

दिल कहे भोले भोले

नमः नमः नमः नमः ओम नमः शिवाय...

सिर पे गंगा विराजे और हाथ में डमरू बाजे,
खाये भाँग के गोला गल में सर्प के माला सजे ॥
तीनो लोक के मालिक तुम हो तुमसे सब कुछ डोले,
दिल कहे भोले भोले....

नीलकंठ बनकर पी डाला तुमने विष का प्याला,
पर्वत बैठा धूनी रमाये पहने मृग का छाला ॥
धरती पे फिर पाप बढ़ा है नेत्र काहे न खोले,
दिल कहे भोले भोले....

तू ही औघड़ दानी बाबा तू ही पालनहार,
मुझपे दया बरसा दे हे शिव कर मेरा उद्धार ॥
तू चाहे तो सूखा पेड़ भी पल में हरियर होले,
दिल कहे भोले भोले....

स्वर-प्रियंका सिंह

Source:
https://www.bharattemples.com/dil-kahe-bhole-bhole-ser-pe-ganga-viraje-or-hath-me-damru-baaje/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw